

6.6.18


पत्रावली पेश हुई। वकील वादी हाजिर। परोकार
सरकार हाजिर। सुनागमा। प्रकरण का अवलोकन
किया गया। ग्राम लल्लाई की जमाबंदी संवत् 2069-
88, के खाता सं. नमा-पुराना 48 खसरा नं. 202
रकबा 0.0100 गै.सु. चाह, तथा खसरा नं. 203,
रकबा 0.4500 गै.सु. बाड़ा, पूर्व दिशि जमाबंदी
संवत् 2070-73 में खाता संख्या 46-42 हैं जिनके
खसरा नं. ~~130~~ 130 रकबा 0.18.00 किल्ल गै.म. नाडा
हैं जिनमें सिली प्रकार का चाह बना हुआ नहीं है
जिनके नमूने खसरा नं. 202 व 203 बने हैं जबकि
इस खसरा नं. में कोई कुआँ बना हुआ नहीं है
जबकि खसरा नं. 202, रकबा 0.0100, गै.सु. चाह
भूमि कर दिया है और जमत है वादी ने दिनांक
26.10.17 को पटवारी से दुरस्त करने का निवेदन
किया तो इन्कार कर दिया। तथा दावा पेश करने
हेतु कहा। वादी ने खसरा नं 202 को विलोपित
करने तथा पूर्वानुसार नसले में तरजीम किये जाने
की डिकरी जारी करने की प्रार्थना की।

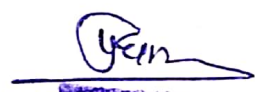
किशोरलाल
सोवेलाल
वकील
21/11/22


प्रकरण दर्ज रजि. क्रिमा गमा। प्रतिवादी पेशीकार सरकार से अपा
जाप्त क्रिमा गमा। तद. के अवाक अनुसार खसरा नं. २०२,
खसरा ०.०१०० गी.मु. चाद. मौके पर नहीं है।

अतः अवाक सरकार के आधार पर
वादी का वाद स्वीकार क्रिमा जाता है तथा डिक्ली इस आशय
की जारी है कि पुराने खसरा न. १०३ से बने नये खसरा न.
२०२ को विनोदित क्रिमा जावे। तथा राजस्व नक्से से कुं
का भंजन दृष्टमा जावे। तदतीतदार सखाइ रिकोर्ड की दुरस्ती
करे। और राजस्व नक्से अनुसार तरमीम करे।
खर्चा फरिक्तेन अपरा-२ वहन करे।

निर्भय मज में धाम अदालत सेवा केन्द्र लल्लाई
में सुनामा गमा।


सदस्य
लोक अदालत शिबिर
सरवाड़ (अजमेर)


सदस्य
लोक अदालत शिबिर
सरवाड़ (अजमेर)


अध्यक्ष
लोक अदालत शिबिर
सरवाड़ (अजमेर)